लेखक परिचय

आधुनिक हिंदी के छायावादी युग के प्रमुख रचनाकार जयशंकर प्रसाद जी की जन्म वाराणसी में सन् 1889 में हुआ था, इनके पिता का नाम देवीप्रसाद था। प्रसाद जी की प्रारंभिक शिक्षा - दीक्षा घर पर हुई। इन्होंने घर पर ही संस्कृत, हिंदी, फ़ारसी, उर्दू का गहन अध्ययन किया। कविता के अतिरिक्त पुरातत्व और इतिहास के अध्ययन में इनकी रुचि थी। इन्होंने काव्य के अतिरिक्त कहानी, नाटक और उपन्यासों की रचना की। इस महान साहित्यकार की मृत्यु अल्पायु में ही हो गई।

मौखिक

(क) मोहन पिता की नजर बचाकार साई को क्या लाकर देता था?

उ मोहन पिता की नजर बचाकार साई का खाना - रोटी लेकर देता था।

(ख) सॉंई को देखकर मोहन के पिता क्या किया करते थे?

उ. सभी पाकीरों से उन्हें स्वाभाविक चिढ़
मोहन को उन्होंने बहुत डाँटा और कहा
वह इस प्रकार के दूर रहे तथा

(ग) साँई ने मोहन की गली मे आना क्यो छो

उ. साँई ने मोहन की गली मे आना छोड़ दि
कारण वह अगर उस गली मे जाता तो
मोहन उससे मिलने वापस आता और फि
उसके पीता उसे डाँटते।

(घ) लड़का क्या खींचकर भागा?

उ. लड़का साँई का गूदड़ खीचकर भागा।

(ङ) साँई क्यो रो पड़ा?

उ. साँई रो पड़ा क्योंकि एक लड़का उसके
गूदड़ ले कर भाग गया।

भाषा-ज्ञान

1. (क) निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में
प्रयोग कीजिए-